2019

B.A. (Honours)

2nd Semester CBCS Examination

HINDI

Paper - C3T

Full Marks : 60 Time : 3 Hours

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

1. निम्नलिखित मे से किन्हीं *दस* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2

(क) 'विद्यापति' किस काल के कवि हैं? उनके द्वारा रचित एक काव्य-संग्रह का नाम लिखिए।

(ख) 'कीर्तिलता' और 'विद्यापति पदावली' किस भाषा में रचित हैं?

(ग) कबीर किस शाखा के कवि हैं तथा उनके गुरू कौन थे?

(घ) कबीर की वाणियों का संग्रह किस ग्रंथ में किया गया है और उसके कितने भाग हैं?

(ङ) मल्लिक मुहम्मद जायसी द्वारा रचित दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(च) जायसी किस युग के कवि हैं और उन्होंने किस भाषा में रचनाएँ की हैं?

(छ) सूरदास रचित दो ग्रंथों के नाम लिखिए।

(ज) 'विनय पत्रिका' और 'रामचरित मानस' की काव्य-भाषाओं के नाम लिखिए।

(झ) 'रामाज्ञा प्रश्न' और 'अखरावट' के रचनाकारों के नाम लिखिए।

(ञ) रहीम का पूरा नाम बताइए और वे किस काव्यधारा के कवि थे?

(ट) मीराबाई किसकी उपासिका थीं और उन्होंने किस भक्ति-भाव से अपने आराध्य की उपासना की?

(ठ) बिहारी द्वारा रचित ग्रंथ का नाम बताइए और उस ग्रंथ मं कुल कितने दोहे संकलित हैं?

(ड) घनानंद द्वारा रचित दो ग्रंथों के नाम बताइए।

(ढ) घनानंद रीतिकाल के किस धारा के कवि थे? उनकी काव्य-भाषा का नाम लिखिए।

(ण) रसखान किसके उपासक थे? उनके द्वारा रचित एक ग्रंथ का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 4×5

(क) सैसव जौवन दुहु मिल गेल

श्रवनक पथ दुहु लोचन लेल

वचनक चातुरि नहु-नहु हास

धरनिये चान कयल परकास''

इस पद्यांश की शिल्पगत-विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

(ख) ''संतो भाई आई ग्यान की आंधी रे।

भ्रम की टाटी सभै उडानी, माया रहै न बांधी रे॥

दुचिते की दोई थूँनि गिरानी मोह बलेंडा टूटा

त्रिसना छानि परी घर ऊपरि, दुरमति भांडा फूटा।

आँधी पाछै जो जल बरसै क्षिप्र तिहिं तेरा जन भींना। —इस पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

(ग) निरगुन कौन दस कौ बासी।
मधुकर, कहि समुझाइ, सौंह दै बूझति सांच न हांसि॥
को है जनक, जननि को कहियत, कौ नारि को दासी।
कैसो बरन, भेष है कैसो, केहि रस में अभिलाषी॥
—इसके अंश के काव्य-सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए।

(घ) "ऐसी मूढ़ता या मन की
परिहरि रामभगति-सुर सरिता, आस करत ओसकन की
धूम समूह निरखि-चातक ज्यौं, तृषित जानि मति धन की
नहिं तह सीतलता न बारि, पुनि हानि होत लोचन की"
—इसमें निहित भक्ति के स्वरूप को विश्लेषित कीजिए।

(ङ) "रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून
पानी गये न ऊबरै, मोती मानुष चून"
—इस पद्यांश का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

(च) "नहिं पराग नहिं मधुर मधु नहिं विकास इहि काल
अलि कलि सौ बध्यौ, आगै कौन हवाल"

—इस पद्यांश के शिल्प सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2×10

(क) 'विद्यापति भक्त कवि हैं या शृंगारिक'?—तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ख) कबीर के काव्य में व्यक्त सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ग) तुलसीदास की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए।

(घ) घनानंद की विरह-भावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।